आज का सुविचार

सफलता वही पाती है, जो संघर्ष करने से नहीं डरता।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 77 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 25 जुलाई 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

मुख्यमंत्री के बिना परामर्श के के राज्यपाल विधानसभा का विघटन कर सकता है जानिए

भारतीय संविधान अधिनियम, 1950 के अनुच्छेद 153 से 162 तक राज्य के राज्यपाल के बारे में प्रावधान किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 154 के अनुसार राज्य की कार्यपालिका की शक्तियाँ राज्यपाल के पास होती है। राज्य के मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री तक की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है। एवं राज्य के समस्त कर्मचारी राज्यपाल के अधीन ही कार्य करते हैं।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सलाह या बिना सलाह के कब विधानसभा भंग करने का अधिकार रखता है जानिए- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174(2) के अनुसार राज्यपाल समय समय पर किसी सदन का सत्रावसान कर सकता है अथवा विधानसभा का भी विघटन कर सकता है। विधानसभा विघटन में स्वविवेक के प्रयोग का अवसर तब प्राप्त होता जब दलबदल के कारण या कोई सरकार अल्पमत में रह गई हो तब राज्यपाल स्वयं विवेक द्वारा विधानसभा का विघटन कर सकता है।

कब कब राज्यपाल ने स्वयं के विवेकाधिकार करके विधानसभा का विघटन किया जानिए -

1. वर्ष 1976 में बिना मुख्यमंत्री से परामर्श के तमिलनाडु के राज्यपाल ने तमिलनाडु की विधानसभा को भंग कर दिया था।
2. वर्ष 1989 में कर्नाटक के राज्यपाल वैकट सुवैया ने मुख्यमंत्री बोम्मई की सलाह के बिना विधानसभा भंग कर दी गई थी।

राज्यपाल द्वारा विधानसभा भंग होने पर राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करना- अनुच्छेद 356 के अनुसार राज्य के राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकता है।

मप्र को औद्योगिक और रोजगार संपन्न राज्य बनाएंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने किया 6 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन

● 15 करोड़ 61 लाख लागत के विस्तारित अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र का हुआ भूमि-पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे उद्योग और कारखाने मंदिरों की तरह हैं, जो लोगों के कष्ट मिटाते हैं। मध्यप्रदेश में उद्योगों का निरंतर जाल फैलाया जा रहा है। प्रदेश के युवाओं को पलायन की आवश्यकता नहीं है, नए उद्योग शुरू होने से प्रदश में तेजी से समृद्धि आएगी। युवाओं को रोजगारपरक उद्योगों में प्रोत्साहन देते हुए 5 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। मध्यप्रदेश को औद्योगिक और रोजगार संपन्न राज्य बनाएंगे और मध्यप्रदेश देश का नंबर एक राज्य होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को भोपाल के निकट अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में 416 करोड़ रूपये निवेश वाली 6 नवीन औद्योगिक इकाईयों के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अचारपुरा विशेष औद्योगिक केन्द्र के रूप में उभरेगा। उन्होंने अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र एक्सटेंशन फेज-3 (ग्राम हज्जामपुर) का शिलान्यास भी किया, जो 31.21 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपति उद्योग लगाने के लिए आ रहे हैं। अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में आज हर पीढ़ी के उद्यमी हैं। जहां गोकलदास एक्सपोर्टस प्रा.लि. के श्री प्रभात सिंह उपस्थित हैं वहीं सिनाई हेल्थकेयर के युवा श्री आदित्य शर्मा और एसेड्स प्राइवेट लिमिडेट के श्री रौनक चौधरी की उपस्थिति प्रसन्नता प्रदान कर रही है।

अचारपुरा की तस्वीर बदल गई है। सावन का समय है और यहां उद्योगों की वर्षा हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सहित देशभर में उद्योग-व्यापार का वातावरण बना है। मध्यप्रदेश में उद्योग प्रारंभ करने के लिए छोटे-बड़े उम्र की कोई सीमा नहीं है और सरकार के द्वार सभी के लिए खुले हैं। उन्होंने कहा कि खुशी का विषय है कि अचारपुरा की फैक्ट्रियों में ऐसी जैकेट बनाई जा रही हैं जो अमेरिका और अन्य देशों में निर्यात होती हैं। मध्यप्रदेश की प्रतिभाएं इन उत्पादों को तैयार कर विश्व में पहुंचा रही हैं।

Criminal law- पब्लिक न्यूसेंस मामले में मजिस्ट्रेट का आदेश किस प्रकार से तामील कराया जाएगा

Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023 की धारा 152 में बताया है कि अगर किसी व्यक्ति, वस्तु, भवन, सड़क, जीवजंतुओं आदि के कारण लोगों को बाधा उत्पन्न हो रही है तब ऐसी बाधा उत्पन्न होने वाले उपर्युक्त चीज़ों को वहाँ से हटवाने की शक्ति उपर्युक्त धारा के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट से लेकर नयाब तहसीलदार अर्थात किसी भी कार्यपालक मजिस्ट्रेट को प्राप्त होती है। मजिस्ट्रेट उस व्यक्ति को आदेश जारी करते हैं, आदेश किस प्रकार भेजा जाएगा यह नियम क्ष्हस्स् की धारा 153 में बताए गए हैं।

Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023 की धारा 153 की परिभाषा ?

1. अगर किसी व्यक्ति के विरुद्ध क्ष्हस्स् की धारा धारा 152 के अंतर्गत कोई आदेश भेजना हैं तब ऐसा आदेश वैसे ही दिया जाएगा जैसे व्यक्ति को न्यायालय द्वारा समन भेजा जाता है। समन की तामील हो जाने पर संबंधित व्यक्ति मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत होता है एवं अपना पक्ष रखता है। मजिस्ट्रेट स्टेटस रिपोर्ट भी मांग सकते हैं एवं अपने स्तर पर जांच करवा सकते हैं कि आदेश का पालन हुआ या नहीं।
2. अगर ऐसा व्यक्ति वहाँ मौजूद नहीं है जिसके विरुद्ध आदेश देना है एवं आदेश तामील होने के बाद भी उस तक नहीं पहुंच पा रहा है तब राज्य सरकार के नियमों के अनुसार ऐसे व्यक्ति का नोटिस (सूचना) प्रकाशित (अखबार के माध्यम से भी) की जाएगी एवं पब्लिक पैलेस (लोक स्थान) जहाँ से सार्वजनिक व्यक्ति को आना जाना लगा हो वहाँ एवं व्यक्ति के स्थान पर जहाँ वो रहता है वहाँ Notice को चिपकाया जाएगा।

- **लेखक बी. आर. अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)**

किसान परंपरागत खेती के साथ तकनीक का भी उपयोग करें : उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह

भोपाल। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि किसान परंपरागत खेती पर ही निर्भर न रहें बल्कि नवीन तकनीकी के साथ उद्यानिकी फसलों को लेने की ओर बढ़ें। उन्होंने यह बात

उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनांतर्गत ग्वालियर जिले में उद्यानिकी फसलों को बढावा देने के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ अवसर पर कही। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति श्री अरविंद कुमार शुक्ला, कृषि वैज्ञानिक और जिले के प्रगतिशील किसान बडी संख्या में उपस्थित रहे। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि गांव में अधिक से अधिक फूड प्रोसेसिंग यूनिट एवं छोटे छोटे उद्योग लगायें जिससे किसान खुद की फसल का अच्छा दाम प्राप्त कर सकें।

उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सरकार नई योजना ला रही है जिसमें जो भी किसान एक बगिया माँ के नाम लगाने पर सरकार 3 लाख रुपये तक अनुदान प्रदान करेगी। उन्होने कहा कि किसानों की मेहनत के कारण लगातार खाद्यान उत्पादन में मध्यप्रदेश का देश में प्रथम स्थान है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश के किसान फसलों की सिंचाई के लिए काफी परेशान रहते थे, जबसे नदी जोडो अभियान चला है और नये डेम बने है, तब से सिंचाई का रकवा काफी बडा है, जिस कारण फसल उत्पादन भी बडा है। उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि हमें जैविक खेती को बढावा देना होगा।

महाविद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विविध प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम के नवीन परिसर में जुलाई माह में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार, छात्र-छात्राएं, प्राध्यापकगण की उपस्थिति में विभिन्न प्रकार के छायादार, औषधीय व फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अभियान के तहत सहायक प्राध्यापक श्री शिवाकांत मौर्या के नेतृत्व में कुल 38 पौधे बुधवाड़ा ग्राम में शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम के नवीन भवन के प्रांगण रोपे गए, जिनमें नीम, पीपल, आम, अमरूद, अशोक बादाम तुलसी व जैसी प्रजातियां प्रमुख रहीं। सभी विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ ने यह पौधे अपनी माताओं के नाम समर्पित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

प्राचार्य डा कल्पना भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष न केवल हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि हमारी संस्कृति, संस्कार और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक भी हैं। मां के प्रति प्रेम को प्रकृति की सेवा से जोड़ना एक प्रेरणादायक विचार है। विद्यार्थियों ने इसे जीवनभर याद रखने योग्य अनुभव बताया और भविष्य में पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी भी लेने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के संयोजक डा महेंद्र कुमार पटेल ने बताया कि यह अभियान महाविद्यालय में हर वर्ष आयोजित किया जाएगा ताकि छात्रों में पर्यावरणीय चेतना का विकास हो और वे प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनें। इस अवसर पर शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम, के विद्यार्थियों सहित स्पोर्ट्स अधिकारी डा हरिप्रकाश मिश्रा ,अजय चौहान उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति पर जागरूकता रैली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में आज नशा मुक्ति अभियान के तहत एक जागरूकता रैली तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डा कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना था। रैली की शुरुआत महाविद्यालय प्रांगण से हुई, जिसमें छात्रों ने हाथों में नशा मुक्ति के स्लोगन युक्त तख्तियाँ लेकर पूरे क्षेत्र में जन-जागरूकता का संदेश दिया। इसके पश्चात स्लोगन मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने रचनात्मकता एवं सामाजिक चेतना का परिचय देते हुए प्रभावशाली स्लोगन बनाए। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री शिवाकांत मौर्या ने छात्रों को संबोधित करते हुए नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया और इस प्रकार के कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

मोहिनी अहिरवार बनीं मिस एमपी 2025, भोपाल का नाम किया रोशन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। अवधपुरी स्थित गांधी भवन में आयोजित एमपी टैलेंट हंट-2025 प्रतियोगिता में मोहिनी अहिरवार ने मिस एमपी का खिताब जीतकर राजधानी भोपाल समेत पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया। अपने शानदार प्रदर्शन और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने इस प्रतिष्ठित खिताब को अपने नाम किया। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से कई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, लेकिन मोहिनी अहिरवार ने अपनी कला, प्रतिभा और आत्म-प्रस्तुति से सभी को प्रभावित किया। उनकी इस सफलता पर परिवारजनों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। गांधी भवन में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन एक निजी संस्था द्वारा किया गया था। समारोह में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों, दर्शकों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। मोहिनी को उनकी उपलब्धि पर परिवार, मित्रों और संस्थान के सदस्यों द्वारा शुभकामनाएं और बधाइयाँ दी गईं।

मध्यप्रदेश के नीरज बारिवा का राष्ट्रीय मंच पर परचम टाटा स्टील ट्राइबल लीडरशिप प्रोग्राम के लिए चयनित।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन/उदयपुरा। संघर्ष, समर्पण और सेवा की जीवंत मिसाल बन चुके नीरज बारिवा, वन ग्राम कटक (तहसील उदयपुरा, जिला रायसेन) के निवासी ने मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। नीरज का चयन देश के प्रतिष्ठित टाटा स्टील ट्राइबल लीडरशिप प्रोग्राम में हुआ है, जिसमें पूरे भारत से केवल 100 उभरते आदिवासी नेतृत्वकर्ताओं को आमंत्रित किया जाता है। नीरज अब बंगलौर जाकर इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश का एकमात्र प्रतिनिधित्व करेंगे। नीरज की यात्रा केवल एक चयन तक सीमित नहीं है ङ्क वे वर्षों से जमीनी स्तर पर आदिवासी युवाओं, छात्रों और समाज के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आज वे आदिवासी विकास परिषद छात्र प्रभाग के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में न केवल युवाओं की आवाज़ बन चुके हैं, बल्कि उन्हें नेतृत्व, शिक्षा और अधिकारों के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। विपरीत परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद नीरज ने कभी हार नहीं मानी। गांव की मिट्टी से उठकर राष्ट्रीय मंच तक पहुंचना उनके मजबूत इरादों और समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से न केवल रायसेन जिला बल्कि पूरे मध्यप्रदेश को गर्व हुआ है। नीरज जैसे युवाओं के संघर्ष और सफलता की कहानी आज के पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उत्कृष्ट सीनियर बालक छात्रावास उदयपुरा में छात्रों की हुई स्वास्थ्य जांच।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। उत्कृष्ट सीनियर बालक छात्रावास, उदयपुरा में निवासरत छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा किया गया। इस शिविर का उद्देश्य छात्रों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था। स्वास्थ्य परीक्षण टीम में डॉ. राफिया सुल्तान (आरबीएसके मेडिकल ऑफिसर, उदयपुरा) एवं डॉ. डी. पी. टेटबार (क्षयरोग विशेषज्ञ, उदयपुरा) उपस्थित रहे। दोनों चिकित्सकों ने छात्रावास में रह रहे लगभग 40 छात्रों की स्वास्थ्य जांच की। जांच के दौरान अधिकांश छात्रों में सामान्य मौसमी बीमारियां जैसे खांसी, सर्दी, हल्का बुखार आदि लक्षण देखे गए। टीम द्वारा सभी बच्चों को उचित परामर्श दिया गया तथा आवश्यक दवाएं भी वितरित की गईं। छात्रावास अधीक्षक श्री बैजनाथ इमने ने बताया कि इस प्रकार का स्वास्थ्य परीक्षण हर महीने होता जिस से बच्चों को उनकी पढ़ाई में कोई दिक्कत न हो ऐसे स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई।

राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। दिनांक 18 एवं 19 जुलाई 20 25 को राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया महाविद्यालय परिसर से घास खरपतवार उखड़े गई तथा प्लास्टिक की खाली बोतल पॉलिथीन बटोर प्राचार्य डॉक्टर रामकुमार चौकसे जी ने कहा की स्वच्छता जीवन का अभिन्न अंग है हमें स्वच्छ और स्वस्थ परिसर का निर्माण करना है कार्यक्रम डाक्टर इरा वर्मा ने कहा की हमें स्वस्थ युवा स्वस्थ भारत का निर्माण करना है स्वच्छता ही स्वास्थ्य की रक्षा का प्रथम उपाय है स्वच्छ पर्यावरण से स्वस्थ मानव जीवन का ही निर्माण संभव हो सकेगा श्रमदान में डॉक्टर इरा वर्मा सहित छात्रों महक यादव पलक यादव दीपाली संध्या मोनिका राधिका यादव नेहा उषा राजपूत शिवानी रैकवार सुधा क्षमा मेहर ने भाग लिया।

जिले के ग्राम बाग़ोद में ग्रामीणों और प्रशासन की सतर्कता से नकली खाद से भरी गाड़ी पकड़ी गई

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन। आज रायसेन जिले के ग्राम बाग़ोद में प्रशासन और ग्रामीणों की सतर्कता से नकली खाद से भरी एक गाड़ी पकड़ी गई, जिसे डीएपी के नाम से बेचा जा रहा था। कृषि अधिकारी ने बताया कि एक ट्रक में बड़ी मात्रा में नकली उर्वरक लादकर गांव में पहुंचाया जा रहा था। ग्रामीणों को उर्वरक नकली होने का संदेह होने पर इसकी सूचना प्रशासन को दी गई। सूचना प्राप्त होते ही सहायक संचालक कृषि श्री जितेंद्र नामदेव सहित कृषि और राजस्व अधिकारी मौके पर पहुंचे और ट्रक को रोककर उर्वरक की जांच की। ट्रक में नकली उर्वरक की 92 बोरिया पाई गई। जांच में उर्वरक मानकों पर खरी नहीं उतरने पर मौके पर पंचनामा बनाया गया। उर्वरक सहित वाहन जप्त कर सलामतपुर थाने में पहुंचाया गया और आगामी कार्रवाई की जा रही है। नकली उर्वरक के सैंपल लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला भी भेजे गए हैं।

बिज़ुरी पुलिस द्वारा 6 गिरफ्तारी, 2 स्थाई व 1 वसूली गिरफ्तारी वरंटी को लिया गया न्यायिक हिरासत मे

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर /बिजुरी। बिजुरी l24 घंटे में थाना बिजुरी द्वारा लंबे समय से फरार चल रहे 06 गिरफ्तारी 02 स्थाई एवं 01 वसुली गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत में लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर्र रहमान द्वारा जिले में अपराधो में नियंत्रण एवं फरार चल रहे वारंटी की तामीली हेतु निर्देशित किया गया । जिसके अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री इसरार मन्सूरी एवं एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के निर्देशन में थाना प्रभारी बिजुरी विकास सिंह , सउनि उदय प्रजापित , सउनि प्रभाकर पटेल , सउनि रविकिरण पयासी, प्र.आर. सतीष मिश्रा, प्रधान आरक्षक बसंत कोल, आरक्षक विश्वजीत मिश्रा,आर. प्रभाकर त्रिपाठी, आर. लक्ष्मण डांगी , आर. रवि सिंह के द्वारा दिनांक 23/07/2025 को वारंटीयों को गिरफ्तार

किया है। जिसमें माननीय न्यायालय श्री संजीव कुमार टामक न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय बैकुंठपुर जिला कोरिया छ.ग.के सत्र प्रक.क्र. 28/21 धारा 128 जा.फौ.का गिरफ्तारी वारंटी रामनिहोरे जायसवाल पिता रामगोपाल जायसवाल उम्र 48 साल निवासी ग्राम गुलीडांड, एवं प्र.क्र. 222/2022 , प्र.क्र. 676/2019 गिरफ्तारी वारंटी पंकज कुमार चन्द्रा पिता बुद्सेन चन्द्रा उम्र 22 वर्ष निवासी भवनिया टोला थाना बिजुरी , प्र.क्र.72/20 गिरफ्तारी वारंटी शनि कोल पिता शिव बालक कोल उम्र 22 वर्ष निवासी पडरीपानी बिजुरी, माननीय न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कोतमा के प्र.क्र. 30/25 के गिरफ्तारी वारंटी कल्लु उर्फ प्रकाश बंसल पिता रोहित बंसल उम्र 40 वर्ष निवासी कनई टोला थाना बिजुरी, प्र. क्रमांक 31/18 वारंटी रनूराम पिता सम्हारु पाव उम्र 54 वर्ष निवासी निमहा टोला थाना बिजुरी ,प्र.क्र. 1163/21 वारंटी मनोहर लाल चौधरी पिता सुखदेव चौधरी उम्र 61 वर्ष निवासी गोपाल मार्केट बिजुरी , प्रकरण क्रमांक 1144/17 रवि कुमार साहू पिता सुखलाल साहू उम्र 27 वर्ष निवासी काटकोना , माननीय न्यायालय अमनदीप सिंह छाबडा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोतमा के प्र.क्र. 660/17 स्थाई वारंटी धरमलाल बंसल पिता भोला बंसलल उम्र 35 वर्ष निवासी आमाडांड , प्र.क्र. 1037/19 स्थाई वारंटी राकी उर्फ हरीश कोल पिता गंगाराम कोल उम्र 36 वर्ष निवासी कोल दफाई पडरीपानी बिजुरी थाना जिला अनूपपुर को गिरफ्तारी कर माननीय न्यायालय पेश किया गया ।

कोतमा पुलिस ने धर पकड़ किया तेज

निगरानी सुदा गुंडा बदमाश अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों में हड़कंप

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

कोतमा। कोतमा पुलिस के द्वारा कांबिंग गस्त अभियान चलाते हुए वारंटीओं की धरपकड़ करने के साथ थाना क्षेत्र के निगरानीशुदा, गुंडा बदमाश एवं अपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशों की आधी रात को चेकिंग करते हुए उनके गतिविधियों की जानकारी जुटाई गई। कार्यवाही के बारे में थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला ने बताया कि गुरुवार की दरमियानी रात को पुलिस की अलग-अलग टीम बनाते हुए सर्चिंग कर दो वारंटियों को दबोचा गया स्थाई वारंटी कमला चौधरी निवासी बगेगा को मारपीट के मामले में लगातार न्यायालय पेशी ना जाने पर स्थाई वारंट जारी किया गया था। जिसे गिरफ्तार किया गया गिरफ्तारी वारंटी अमित कुमार नामदेव निवासी सारंगढ़ को अपहरण एवं दुष्कर्म की धाराओं में वारंट जारी होने पर गांव में घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक उप निरीक्षक विनय सिंह,दिनेश राठौर, भानु प्रताप, अभय त्रिपाठी, राकेश सहित अन्य स्टाफ शामिल रह। इसी प्रकार थाना क्षेत्र के एक दर्जन से ज्यादा आदतन बदमाशों के ठिकानों पर दबिश देते हुए उनकी गतिविधियों की जानकारी ली एवं अपराध से दूर रहने को लेकर कड़ी चेतावनी दी गई।थाना प्रभारी ने बताया कि उक्त अभियान लगातार जारी रहेगा।

विकास धाकड़ बने नगर अध्यक्ष, सोम खटीक को नगर मंत्री का दायित्व।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। नगर उदयपुरा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की नगर स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला संयोजक श्री शुभम सेन की उपस्थिति में संगठन की नवीन नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इस अवसर पर विकास धाकड़ को एबीवीपी उदयपुरा नगर का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया, वहीं सोम खटीक को नगर मंत्री के दायित्व से नवाजा गया। संगठन के अनुसार यह नियुक्तियाँ कार्यकर्ताओं की सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण को ध्यान में रखते हुए की गई हैं। बैठक में जिले के अन्य पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता एवं पूर्व छात्र नेता भी उपस्थित रहे। सभी ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दीं।

जन अभियान परिषद के नेतृत्व में हरियाली अमावस्या के अवसर पर

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर /मलगा। जन अभियान परिषद के नेतृत्व में दिनांक 24/07/2025 को हरियाली अमावस्या के अवसर पर वि. ख. अनूपपुर से. क्र.5 ग्राम मलगा में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया जमुना कोतमा हरियाली अमावस्या प्रकृति से जुड़ा एक सांस्कृतिक, पौराणिक और पर्यावरणीय पर्व है और आज जिला समन्वयक श्री उमेश पांडेय जी के द्वारा इसके महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया आज सभी नवांकुर सखी को पौधे भेंट किए गए और नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के कार्यक्रम अंतर्गत यात्रा का आयोजन कर उन्हें एक साल तक पौधे की देखरेख एवं संरक्षण का दायित्व दिया गया और अगले साल हरियाली अमावस्या में पौधे के रोपण का संकल्प लिया गया तत्पश्चात एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण किया गया आज के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्रा.पंचायत मलगा सरपंच श्रीमती रेखा सिंह जी,जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री उमेश कुमार पांडेय जी नवांकुर संस्था पसान प्रतिनिधि विकास कुमार , सचिव श्री कृष्ण कुमार तिवारी जी रोजगार सहायक श्री तुलसीदास साहू मोबाइलाइजर श्रीमती माया जी परामर्शदाता श्रीमती शिवानी सिंह जी श्रीमती कृष्णा देवी ष्द्धष्द्धस्नश्च छात्र पारसराज शुभांसी नेहा निशॉ दुर्गा यशोदा पूजा माया पूजा एवं स्थानीय महिलाओं की सहभागिता रही।

ज्योति अहिरवार को मिला सर्वश्रेष्ठ समन्वयक का पुरस्कार।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

विदिशा। सहकारिता एवं खेल और युवा कल्याण विभाग के मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग द्वारा ग्रामीण युवा केंद्र लटेरी, खेल और युवा कल्याण विभाग विदिशा की युवा समन्वयक ज्योति अहिरवार को उत्कृष्ट कार्य करने पर भोपाल में आयोजित समन्वयकों की कार्यशाला में सम्मानित किया गया है। पूरे मध्यप्रदेश से कुल 6 समन्वयकों को कार्यशाला में सम्मानित किया गया है। गौरतलब है कि ज्योति अहिरवार लटेरी विकासखंड में खेल और युवा कल्याण विभाग की विभिन्न गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से करती हैं। ज्योति अहिरवार की इस कामयाबी पर जिला खेल अधिकारी श्री प्रदीप सिंह रावत सहित खेल विभाग के सभी कर्मचारियों द्वारा बधाई दी गई।

अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर, युवक की मौके पर मौत।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। अलीबाड़ा निवासी 25 वर्षीय पप्पू धाकड़ की शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार पप्पू मोटरसाइकिल से घाना रोड से होते हुए हाईवे की ओर जा रहा था। उसी दौरान तेज़ रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पप्पू ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना में उसका सिर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। हादसे के वक्त बाइक पर उसकी पत्नी भी पीछे बैठी थी, जिन्हें हल्की चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही उदयपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद मृतक की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस द्वारा अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा ने पीएमश्री शासकीय कन्या शाला का किया निरीक्षण, शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने दिए निर्देश।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा ने मंगलवार को उदयपुरा स्थित पीएमश्री शासकीय कन्या शाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में कक्षावार बालिकाओं की उपस्थिति, नवप्रवेशित छात्राओं की संख्या, शिक्षकों की पदस्थापना तथा शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली। श्री विश्वकर्मा ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर छात्राओं से गणित के प्रश्न हल करवाए और उनके शैक्षणिक स्तर का आकलन किया। उन्होंने छात्राओं से बातचीत कर उनके अध्ययन अनुभव को भी जाना। निरीक्षण के दौरान यह भी सुनिश्चित किया गया कि सभी बालिकाओं को समय पर निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई हैं या नहीं। कलेक्टर ने विद्यालय प्राचार्य एवं

शिक्षकों को निर्देशित किया कि वे समय पर उपस्थित रहकर छात्राओं को पूरे मनोयोग और जिम्मेदारी से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय स्टाफ सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

पत्नी के साथ कमरे में था एसआई, पति ने पकड़ा तो दिखाने लगा रौब... फिर आस-पास के लोगों ने बांधकर पीटा

इंदौर। खजराना थाने के उप निरीक्षक(एसआइ) सुरेश बुनकर की लोगों ने पिटाई कर दी। लोगों ने उसको महिला मित्र के साथ आपत्तिजनक अवस्था में पकड़ा था। नशे में धुत एसआइ ने जैसे ही अभद्रता की महिलाएं टूट पड़ी। रस्सी लपेट कर खंबे से बांधा और पुरुषों ने जमकर लट्ठ बरसाए। पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध प्राण घातक हमले की धारा में केस दर्ज कर लिया है। एसआइ को गंभीर अवस्था में भर्ती करवाया गया है। घटना खजराना थाना अंतर्गत खेड़ी गांव की है। 54 वर्षीय सुरेश बुनकर यहां रहने वाली एक महिला से मिलने पहुंचा था। कुछ देर बाद महिला का पति सुनील आ गया और सुरेश को पकड़ लिया। मोहल्ले की महिलाएं,बच्चे और पुरुष भी डंडे लेकर आ गए। शुरु में तो सुरेश ने रौब झाड़ने का प्रयास किया। नशे में लड़खड़ाया तो लोग लट्ठ लेकर टूट पड़े। उसकी जमकर पिटाई कर दी। महिला बच कर भाग गई।

एसईसीएल कम्पनी स्तरीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक सम्पन्न

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

दिनांक 24-07-2025 को निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन/प्रशासन/जनसंपर्क/राजभाषा) श्री मनीष श्रीवास्तव, मुख्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्षों, विडियो कान्फ्रेंसिंग से जुड़े समस्त क्षेत्रों के नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर स्थित प्रशासनिक भवन सीएमडी सभाकक्ष में कम्पनी स्तरीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने कहा कि राजभाषा हिंदी में कार्य करने से कार्य में गुणवत्ता बढ़ जाती है, अतः हमें स्वेच्छा से प्रेरित होकर राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करना चाहिए उन्होंने कहा स्वयं विभागाध्यक्षों सहित समस्त अधिकारियों-

कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम राजभाषा हिन्दी का अपने कार्यालयीन व दैनंदीन कार्यों में अधिकाधिक प्रयोग करें एवं समय-समय पर स्वमेव हिंदी पत्राचार की प्रगति की समीक्षा करें। साथ ही उन्होंने सभी क्षेत्रों और मुख्यालय में माह सितंबर में आयोजित राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन गत वर्षों की भांति और अधिक वृहद स्तर पर करने का निर्देश दिया बैठक में क, ख एवं ग क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के साथ हिंदी मुख्यालय के समस्त विभागों एवं समस्त क्षेत्रों की हिंदी पत्राचार प्रतिशतता बढ़ाने, राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) का अनुपालन सुनिश्चित करने, अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिए जाने, नोटशीट हिंदी में प्रस्तुत करने तथा छोटी-छोटी टिप्पणियां केवल हिंदी में लिखने, कम्पनी में प्रयोग में आने वाले मानक प्रपत्रों तथ कम्पनी की वेबसाईट द्विभाषी रूप में तैयार करने संबंधी कार्यसूची पर चर्चा हुई बैठक में एसईसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के जनवरी-जून 2025 अवधि की हिंदी प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गयी। बैठक का संचालन वरीय प्रबंधक (राजभाषा) श्री दिलीप सिंह ने किया.

स्कूल चालू, पढ़ाई बंद • युक्तियुक्तकरण के बाद बने स्कूल के हालात देखने पहुंची भास्कर टीम

प्रधान पाठक ही शिक्षक और प्यून भी; कमरे में एक ही बोर्ड पर चल रही पहली से लेकर 5वीं की क्लास

भास्कर ग्राउंड रिपोर्ट
निर्मल साहू | भिलाई

तुमाखुर्द (जरहा): सोमवार, बुधवार, शुक्रवार को होती है चौथी, 5वीं की पढ़ाई

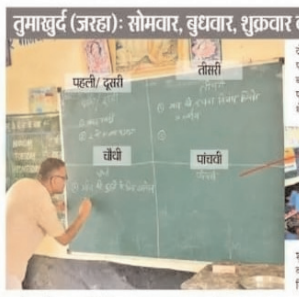

स्कूल में एक ही शिक्षक है। वही प्रधान पाठक है और प्यून का भी काम वही करता है। एक ही कमरे में पहली, दूसरी, तीसरी, चौथी और पांचवीं कक्षाओं के बच्चों को बैठाकर पढ़ाता भी है। संकुल में बैठक हो, कोई रिपोर्ट जमा करनी हो, डाक लाना या पहुंचाना हो, या राशन दुकान से मध्याह्न भोजन का चावल लाना हो, सब अकेले शिक्षक के जिम्मे है। दैनिक भास्कर की टीम धमधा ब्लॉक के शासकीय नवीन प्राथमिक शाला तुमाखुर्द (जरहा), सिरनाभाठा, अगार और मुड़पार स्कूल पहुंची तो शैक्षिक विसंगति सामने आई।

दोपहर के ढाई बजे हैं। कक्षा से शिक्षक रामप्रकाश पटेल के पढ़ाने की आवाज आ रही थी। इसमें अलग-अलग कक्षाओं के बच्चे बैठे हैं। सामने ग्रीन बोर्ड पर चार खाने बने हुए हैं। पहले में पहली/दूसरी, फिर तीसरी, चौथी और पांचवीं के खंड बने हुए थे। पहली/दूसरी के बच्चों को बारह खड़ी लिखने कहा गया था। तीसरी को गाय की रचना, चौथी के बच्चों को छुट्टी के लिए आवेदन पत्र और चौथे खाने में पांचवीं के बच्चों को अंग्रेजी में फलों के नाम व गणित के कुछ सवाल हल करने दिए थे। अकेले शिक्षक पटेल सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को चौथी और पांचवीं को पढ़ाते हैं। मंगलवार, गुरुवार व शनिवार को पहली दूसरी और तीसरी के बच्चों को। जिस दिन जिस कक्षा की क्लास नहीं होती, उन्हें वर्क देकर बैठा देते हैं।

अगार: बच्चे खुद ही पढ़ते और पढ़ाते हैं

सुबह के 10.40 बजे हैं। बरामदे में करीब 40 बच्चे बैठे हैं। बच्ची नैना जोशी हाथ में छड़ी लेकर ब्लैक बोर्ड पर लिखे अंग्रेजी के कैपिटल और स्माल लेटर को पढ़ रही है। बाकी बच्चे दोहरा रहे हैं। ये चौथी, 5वीं के बच्चे हैं। बाजू की तीसरी में ऐसा ही रवीना भी कर रही है। 82 बच्चों वाले इस स्कूल में 2 साल से शिक्षक नहीं है। मिडिल स्कूल के शिक्षक रूपेंद्र कुमार साहू ही यहां पढ़ाते हैं। शिक्षक न होने से बच्चों को किताबें नहीं बंट पा रही हैं।

सिरनाभाठा: मैडम एक कक्षा को पढ़ाती हैं, बाकी को लिखने का काम दे है

सुबह के 9:43 हो रहे हैं। स्कूल की प्यून सुमित्रा पांडे ने गेट का ताला खोला। फिर बरामदे में झाड़ू लगाई। मैदान में खेल रहे बच्चे भागते हुए अंदर घुसे और अपनी-अपनी टाटपट्टी बिछाकर बैठ गए। पहली से पांचवीं कक्षा के बच्चे पंक्ति में नहीं, एक साथ मिलकर बैठे थे। बच्चों ने बताया कि उनकी मैडम साधना दानी रिटायर हो गई हैं। एक ही मैडम शहनाज बेगम उन्हें पढ़ाती हैं। मैडम जब एक कक्षा के बच्चों को पढ़ाती हैं तो बाकी अन्य कक्षाओं के बच्चों को कुछ लिखने का काम दे देती हैं। पांचवीं कक्षा के आकाश कुंभकार और दीक्षा तिवारी ने कहा हमारी मैडम बहुत परेशान हो जाती हैं। नई मैडम कब तक आएगी।

प्रधानपाठकों की पोस्टिंग और युक्तियुक्तकरण कर सभी स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। कलेक्टर के अनुमोदन पश्चात उसकी भी पूर्ति करने का प्रयास जारी है। जिले में सहायक शिक्षकों के 134, व्याख्याताओं के 168 पद रिक्त हैं, इसलिए निर्धारित अनुपात में अभी शिक्षकों की कमी है, लेकिन बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रहा, ऐसा बिलकुल नहीं है।
- अरविंद मिश्रा, डीईओ

बड़े गुरुजी अउ चपरासी के,
युक्तियुक्तकरण होवत हे।
एक कक्षा मा पांचों क्लास ला,
समाहित करके सरकार सोवत हे।।
आम जनता अब तुमन सोचव,
तुंहर लइका मन कइसे पढ़हीं।
चीन,जापान, अमरीका वाले कस,
ये मन कइसे ऊपर चढ़हीं।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग)छ.ग.)

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तोकापाल का मामला

डॉक्टर और स्टाफ करते है सोने का काम

स्त्रोत- रजत डे, जगदलपुर (बस्तर) छ. ग.

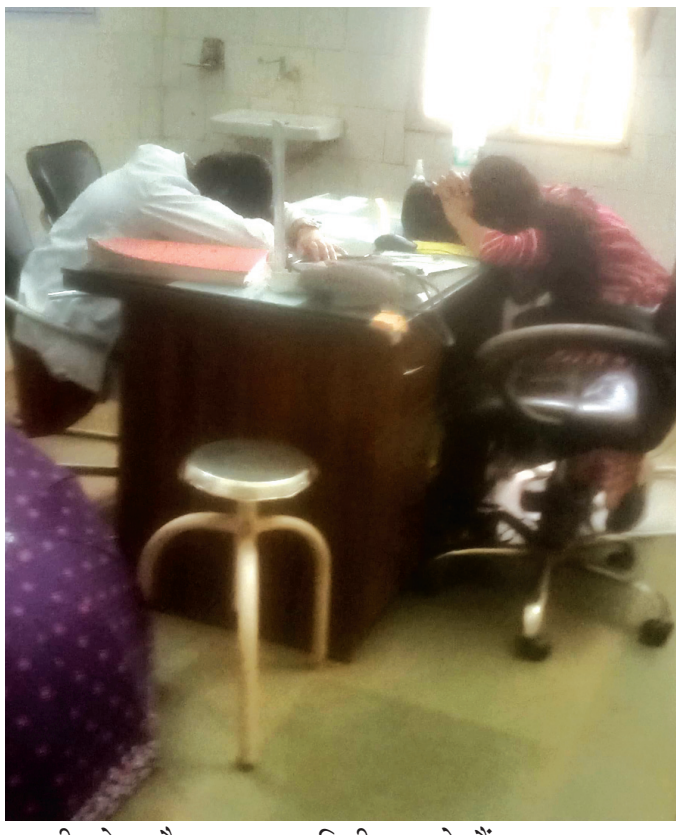

जगदलपुर। तोकापाल से एक बड़ी खबर सामने आया है जिसमें सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम आया है। उस स्वास्थ्य केंद्र का वीडियो मिला है। सच आपको वीडियो में नजर आयेगा। सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर और स्टाफ करते है सोने का काम।

जानिए क्या है पूरा मामला विस्तार से खबर बताते है आपको

सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तोकापाल में डॉक्टर और स्टाफ की मनमानी चल रहा है। मरीज अपना इलाज कराने आते है लेकिन उनका इलाज नहीं हो पाता है। ऐसा मरीजो के साथ रोज - रोज होता है। मरीज डॉक्टर के रूम के बाहर घंटों देर बैठकर इंतजार करते है। तब भी मरीज का ईलाज नहीं होता है। हमें सुचना मिला है कि डॉक्टर और स्टाफ सुबह दो घंटे तक बैठते है। उनका समय सुबह 11:00 ड्डद्व से 12:00 श्वद्व तक बैठते है फिर उसके बाद कोई आता है तो बहुत सुनाते है। दो घंटे के बाद डॉक्टर और स्टाफ दिन भर सोने का काम करते है, जिसमें एक रुम में ताला लगा होता है और दूसरा रुम में खाली होता है। अपना हाजिरी लगाते हैं। इस तरह का मामला सामने आने से स्वास्थ्य का लाभ मरीजों को कैसे मिलेगा। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग आगे क्या कार्रवाई करते है जानने का विषय बनता है।

CGMSC के सप्लाई किए गए एंटीबायोटिक इंजेक्शन से बिगड़ी मरीजों की तबियत

उपयोग पर लगा रोक

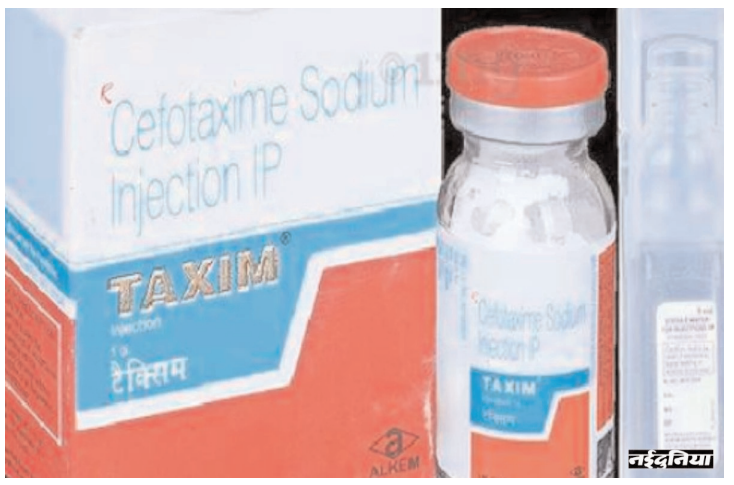

रायपुर। राज्य दवा निगम (सीजीएमएससी) ने सेफोटैक्सिम इंजेक्शन के उपयोग पर रोक लगा दी है। मरीजों पर इसके प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की शिकायत के बाद यह रोक लगाई गई है। सभी केंद्रों से स्टॉक वापस मंगा लिया गया है। बता दें कि इंजेक्शन की आपूर्ति सीजीएमएससी से की गई थी। बैच नंबर सीटी4214 है। निर्माण तिथि जुलाई 2024 और समाप्ति तिथि जून 2026 है। महासमुंद और कोरबा के स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा की गई शिकायत में बताया गया कि इस इंजेक्शन को लगाने से मरीजों की तबीयत बिगड़ रही है। जिसके बाद इसके उपयोग पर रोक लग गई है।

इस उपयोग में आती है इंजेक्शन

बता दें कि सेफोटैक्सिम इंजेक्शन एक शक्तिशाली एंटीबायोटिक इंजेक्शन है, जिसका उपयोग शरीर में संक्रमण जैसे न्यूमोनिया, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन, त्वचा, जोड़ों, हड्डियों और मस्तिष्क के संक्रमण के इलाज में किया जाता है। यह गंभीर बीमारियों में अस्पताल में भर्ती मरीजों को दिया जाता है।

इन दवाओं की भी आ चुकी है शिकायत

राज्य के सिकलसेल संस्थान में हाइड्रोक्सयूरिया 500 एमजी की 17,500 कैप्सूल अमानक पाई गईं थी। शिकायतों के बाद जांच में जेड-704 और जेड-23-705 बैच की दवाएं घटिया साबित हुईं। यह दवा सिकलसेल, गर्भाशय और डिम्बग्रंथि के कैंसर में दी जाती है।

दक्षिण छत्तीसगढ़ में होगी मूसलाधार बारिश, कुछ इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका

रायपुर। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, प्रदेश में एक बार फिर मानसून का प्रभाव नजर आ रहा है। गुरुवार को राज्य के दक्षिणी जिलों में मूसलाधार बारिश की होने की संभावना जतायी जा रही है। साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटे में भारी बारिश का क्षेत्र मुख्यत: दक्षिण छत्तीसगढ़ रहेगा। बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर और कोरबा जैसे जिलों में मूसलधार बारिश की संभावना है। इससे इन क्षेत्रों में निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है।

मानसून का हाल

मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मानसून द्रोणिका इस समय फिरोजपुर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक विस्तारित है। इसके साथ ही एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम मध्य और उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर 3.1 से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक सक्रिय है। इसके प्रभाव से आगामी 24 घंटे में एक निम्न दाब का क्षेत्र बनने की संभावना है, जो प्रदेश में वर्षा की गतिविधियों को और बढ़ा सकता है। दूसरी ओर, अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैली एक द्रोणिका भी मौसम में नमी ला रही है। यह द्रोणिका दक्षिण गुजरात, महाराष्ट्र, विदर्भ, तेलंगाना होते हुए उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश तक 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर सक्रिय है। इस मौसमी सिस्टम की वजह से छत्तीसगढ़ के कई जिलों में वर्षा की संभावना बनी हुई है। न्यायधानी में बुधवार दोपहर के समय हुई झमाझम वर्षा ने लोगों को उमस से राहत दी, लेकिन यह राहत स्थायी नहीं रही। कुछ देर बाद मौसम फिर से चिपचिपा और भारी हो गया। शाम होते-होते आसमान में काले बादलों की घनघोर मौजूदगी ने फिर वर्षा की उम्मीद जगाई, पर बूंदें नहीं बरसीं। मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण छत्तीसगढ़ में भारी वर्षा और बिलासपुर समेत अधिकांश इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना बनी हुई है। बिलासपुर में बीते कुछ दिनों से सामान्य से अधिक वर्षा हो चुकी है, जिससे जमीन में नमी की मात्रा बढ़ी है। हालांकि, उमस अभी भी राहत नहीं दे रही है, जिससे लोग असहज महसूस कर रहे हैं।

नागरिकों को अलर्ट रहने की सलाह

मौसम विभाग ने गरज-चमक और वज्रपात की संभावना को देखते हुए नागरिकों को सतर्क रहने की अपील की है। खुले मैदानों, पेड़ों के नीचे और खुले छतों से दूर रहने की चेतावनी जारी की गई है। बिजली गिरने की आशंका वाले क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

सर्व समाज जनसेवक संगठन का भव्य आयोजन 27 जुलाई को बुदनी में

सीहोर, मध्यप्रदेश, 25 जुलाई 2025 ङ्क सर्व समाज जनसेवक संगठन द्वारा एक भव्य आयोजन का शुभारंभ 27 जुलाई 2025, रविवार को बुदनी, जिला सीहोर (मध्यप्रदेश) में होने जां रहा है। यह आयोजन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल यादव (यादव सर) की अध्यक्षता, कार्यकारी अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह जनसेवक के मार्गदर्शन, और प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री गया प्रसाद अहिरवार के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा।

आयोजन का विवरण

दिनांक- 27 जुलाई 2025, रविवार

स्थान- सामुदायिक भवन, जनपद पंचायत के सामने, बुदनी, जिला सीहोर (मध्यप्रदेश)

उद्देश्य-

राष्ट्रीय, प्रदेश, और महिला प्रदेश कार्यकारिणी का सम्मेलन

नर्मदापुरम संभाग के संभागीय, लोकसभा, और विधानसभा अध्यक्षों की कार्यकारिणी की नियुक्ति

क्षेत्रीय कार्यालय का शुभारंभ

कार्यक्रम की रूपरेखा

सुबह 10ः00 से 11ः00 बजेः स्वल्पाहार, पंजीयन, और क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन

सुबह 11ः00 से दोपहर 12ः00 बजेः प्रमुख पदाधिकारियों का संबोधन

दोपहर 12ः00 से 1ः00 बजेः नर्मदापुरम संभाग के तहत संभागीय, लोकसभा, और विधानसभा अध्यक्षों की कार्यकारिणी की नियुक्ति

इसके बादः महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रेस वार्ता

समापन के बादः भोजन प्रसादी

संगठन का नारा

एक संगठन, एक उद्देश्य ङ्क समाज की सेवा, जनसेवक बनकर

आमंत्रण

सर्व समाज जनसेवक संगठन ने सभी परिवारजनों और समाजसेवियों को इस आयोजन में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया है। यह आयोजन सामाजिक एकता और सेवा के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने का एक अवसर होगा।

संपर्क जानकारी

आयोजन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें-

7987233567
9074696062
7000553422
9111433522
8982125554
7869458694
9977728011

सर्व समाज जनसेवक संगठन समाज के उत्थान और सेवा के लिए निरंतर कार्यरत है, और यह आयोजन संगठन के इस मिशन को और गति प्रदान करेगा।

सामाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण पहल : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

एमपी ट्रांसको ने 3724 आउटसोर्स कर्मियों के बनवाए ईएसआईसी कार्ड

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने ऊर्जा क्षेत्र में सामाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल करते हुए अब तक 3724 आउटसोर्स कर्मियों के ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) कार्ड बनवाए हैं। इस अभियान का लक्ष्य सभी आउटसोर्स कर्मियों का शत-प्रतिशत ईएसआईसी कार्ड बनवाकर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि ट्रांसमिशन लाइन के रख-रखाव, एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) सब-स्टेशनों पर कार्यरत कर्मियों, कंप्यूटर ऑपरेटरों और वाहन चालकों सहित सभी आउटसोर्स कर्मियों को कर्मचारी राज्य बीमा योजना से जोड़ने के लिए एमपी ट्रांसको द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस योजना के माध्यम से कर्मियों एवं उनके आश्रितों को स्वास्थ्य बीमा, चिकित्सा सुविधा, नकद लाभ, आश्रित लाभ और पेंशन जैसी महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि ट्रांसमिशन कंपनी में जोखिमपूर्ण कार्य करने वाले इन कर्मियों के लिए पूर्व में आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड भी बनवाए जा चुके हैं। साथ ही एमपी ट्रांसको ने अपने बाह्य सेवा प्रदाताओं के साथ किए गए अनुबंधों में इस प्रकार की सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं को अनिवार्य रूप से शामिल किया है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि कंपनी समय-समय पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अधिकारियों के सहयोग से सेमिनार और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करती है, जिससे आउटसोर्स कर्मियों को ईएसआईसी योजना के विभिन्न लाभों की जानकारी दी जा सके।

बस्तर का छुपा खजानाः कुएंमारी जलप्रपात की वादियों में बसी सुकून की दुनिया

दीप्ति बाजपेयी

कोंडागांव-छत्तीसगढ़ की बात हो और बस्तर का जिक्र न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। बस्तर... ये सिर्फ एक भूगोलिक क्षेत्र नहीं, एक एहसास है। वो एहसास, जो अपने जंगलों की हरियाली, आदिवासी संस्कृति की गहराई और लोक परंपराओं की महक से दिल को छू जाता है। बस्तर को जानने वाले इसकी खूबसूरती को आँखों से नहीं, दिल से महसूस करते हैं। पर जो इसे केवल 'लाल इलाका' कहकर पहचानते हैं, वे इस धरती के असली सौंदर्य से अनजान हैं। यहां की हवा में प्रकृति की सादगी है और ज़मीन पर छिपे हैं कई अनदेखे रत्न - उन्हीं में से एक है कुएंमारी जलप्रपात।

झरनों की लय, आत्मा का संगीतः कोंडागांव ज़िले के कुदाद्वाही गांव के पास छिपा यह झरना लगभग 300 फीट की ऊँचाई से बहता है। सीढ़ीनुमा चट्टानों से नीचे गिरता यह जल, जब हवा से टकराता है, तो उसकी कल-कल की मधुर ध्वनि मन के भीतर एक सुकून का संगीत बन जाती है

यह वह जगह है जहाँ न मोबाइल नेटवर्क है, न शहरी शोरगुल — सिर्फ प्रकृति की शांति और आत्मा की आवाज़। घने जंगलों में बसा एक इठलाता झरना

झरने के चारों ओर घने जंगल फैले हैं, जिनकी पत्तियों से छनती सूरज की रौशनी जब बहते पानी पर पड़ती है, तो वह दृश्य किसी स्वप्न सा प्रतीत होता है। पत्थरों की चट्टानों, बहते जल और वनस्पतियों का यह संगम किसी चित्रकार की सबसे सुंदर कल्पना जैसा लगता है। यहां आकर ऐसा महसूस होता है जैसे समय थम गया हो — और आप सिर्फ प्रकृति की गोद में विश्रांति ले रहे हों।

कम प्रसिद्ध, लेकिन बहुत खासः जहां लोग चित्रकोट और तीरथगढ़ झरनों को देखने दौड़े चले जाते हैं, वहीं कुएंमारी जलप्रपात अब तक प्रकृति प्रेमियों की गुप्त डायरी में ही दर्ज है। यही कारण है कि यह अपनी मौलिकता, ताजगी और शुद्धता के साथ आज भी ज्यों का त्यों बना हुआ है। यह झरना न तो अभी पर्यटन की भारी भीड़ से गुजरा है, न ही किसी शहरी विकास की चपेट में आया है — यही इसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है।

एकांत प्रेमियों और साहसिक यात्रियों के लिए स्वर्गः जिन लोगों को प्रकृति की गोद में वक्त बिताना पसंद है, उनके लिए कुएंमारी किसी प्राकृतिक आश्रम से कम नहीं। यहां तक पहुंचने के लिए थोड़ा पैदल चलना पड़ता है, पर जब आप वहां पहुंचते हैं, तो हर कदम सार्थक लगने लगता है। यह जगह ट्रेकिंग, ध्यान, फोटोग्राफी और बस चुपचाप बैठकर अपने आप से मिलने के लिए आदर्श है।

प्राकृतिक धरोहर को संजोने की जरूरतः अब समय है कि सरकार, प्रशासन और स्थानीय जनसमुदाय मिलकर कुएंमारी जैसे स्थलों को संवेदनशील पर्यटन की श्रेणी में लाएं। ताकि इनका संरक्षण भी हो और महत्व भी बढ़े। जरूरी है कि इस अनमोल धरोहर को ऐसी दिशा दी जाए जिससे इसकी खूबसूरती भी बनी रहे और पहचान भी।

कुएंमारी- जहां प्रकृति की हर बूँद बोलती हैः बस्तर सिर्फ एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, यह एक जीवंत संस्कृति, एक गूंजती परंपरा और प्रकृति से सीधा संवाद है। कुएंमारी जलप्रपात उस संवाद का सबसे कोमल, सबसे शांत और सबसे सुंदर हिस्सा है। यहां कोई शब्द नहीं गूंजते, पर हर बूंद में एक कहानी है। यहां कोई आवाज़ नहीं होती, पर हर पत्थर में एक गीत है। कुएंमारी... एक झरना नहीं, आत्मा को भिगो देने वाली शांति है।

देवी दंतेश्वरी की नगरी में गूंजे आस्था के स्वर... पाट जात्रा से हुआ बस्तर दशहरे का भव्य शुभारंभ!

दीप्ति बाजपेयी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ की पावन धरती बस्तर में एक बार फिर से आस्था, परंपरा और संस्कृति का महा उत्सव आरंभ हो चुका है। हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर दंतेवाड़ा की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर प्रांगण में आज पाट जात्रा पूजा विधान के साथ विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व की विधिवत शुरुआत हो गई। यह पर्व सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर के आदिवासी जीवन, आस्थाओं और परंपराओं की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह उत्सव रावण दहन का नहीं, बल्कि मां दंतेश्वरी देवी की आराधना, जनजातीय रीति-रिवाज और लोक परंपरा के अनुष्ठानों के जरिए मनाया जाता है — यही इसे देश के अन्य दशहरा आयोजनों से भिन्न और विलक्षण बनाता है। पाट जात्रा से रथ निर्माण की शुरुआत — 'ठुरलू खोटला' की विशेष भूमिका दशहरा पर्व की शुरुआत पाट जात्रा नामक रस्म से होती है, जिसमें रथ निर्माण के लिए आवश्यक लकड़ी और औजारों की पारंपरिक पूजा की जाती है। इस पूजा में विशेष महत्व है 'ठुरलू खोटला' का, जो बस्तर दशहरा पर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। ठुरलू खोटला दरअसल एक विशेष साल वृक्ष का मोटा लट्ठा होता है, जिसे रथ निर्माण के लिए हर वर्ष हरियाली अमावस्या के दिन पारंपरिक रीति से जंगल से लाकर मंदिर प्रांगण में स्थापित किया जाता है। इसी लट्ठे से रथ निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ होती है। ठुरलू खोटला की पूजा के साथ ही इस अनूठे पर्व की सांकेतिक शुरुआत होती है, जो दर्शाता है

कि बस्तर की संस्कृति कितनी गहराई से प्रकृति और परंपरा से जुड़ी हुई है। पूरे परिसर में ढोल-नगाड़ों की थाप, घंटियों की गूंज और जय मां दंतेश्वरी के उद्घोष ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

सांस्कृतिक गरिमा से सजे आयोजन में जनप्रतिनिधियों की भागीदारीः इस शुभ अवसर पर बस्तर सांसद एवं दशहरा समिति अध्यक्ष महेश कश्यप, विधायक किरण देव, महापौर संजय पाण्डेय, जिला कलेक्टर हरिस एस, अपर कलेक्टर सीपी बघेल सहित प्रशासनिक अधिकारी, पारंपरिक समिति सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। समिति के मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी-गायता, पटेल, नाईक-पाईक, एवं सेवादार परंपरागत वेशभूषा में अपने पद की गरिमा के साथ उपस्थित होकर पूजा विधान को पूर्ण करते हैं। यह दृश्य देखकर लगता है जैसे परंपरा स्वयं मूर्त रूप में हमारे बीच उपस्थित हो।

75 दिवसीय बस्तर दशहरा पर्व की एक झलकः बस्तर दशहरा लगभग ढाई महीने (75 दिवस) तक चलने वाला भारत का सबसे लंबा चलने वाला पर्व है। हर दिन एक अलग रस्म, अलग पूजा और अलग भावनात्मक जुड़ाव लेकर आता है। प्रमुख रस्में निम्नानुसार हैं-

प्रमुख तिथियां एवं विधि-विधान

5 सितम्बर- डेरी गड़ाई पूजा (रथ निर्माण हेतु गड्ढा खोदना)

21 सितम्बर-काछनगादी पूजा (नवयुवती कन्या को देवी स्वरूप में सजाना)

22 सितम्बर - कलश स्थापना

23 सितम्बर - जोगी बिठाई (विशेष जोगी को व्रत में बैठाना)

24 से 29 सितम्बर - नवरात्रि पूजन एवं रथ परिक्रमा

30 सितम्बर - महाअष्टमी पूजा व निशा जात्रा

1 अक्टूबर - कुंवारी पूजा, जोगी उठाई व मावली परघाव

2-3 अक्टूबर - भीतर और बाहर रैनी (रथ परिक्रमा)

4 अक्टूबर - काछन जात्रा व मुरिया दरबार

5 अक्टूबर - कुटुम्ब जात्रा (ग्राम देवी-देवताओं की विदाई)

7 अक्टूबर - मावली माता की डोली की विदाई (समापन)

बस्तर दशहरा- परंपरा और पहचान का अद्वितीय संगम

बस्तर दशहरा सिर्फ एक उत्सव नहीं, यह जनजातीय अस्मिता का प्रतीक, देवी भक्ति का केंद्र और संस्कृति की चलती-फिरती तस्वीर है। यहाँ की हर रस्म, हर रिवाज पीढ़ियों से चली आ रही है, और आज भी जस की तस जीवंत है। इस पर्व की खासियत यह भी है कि इसमें राजमहल, प्रशासन और ग्रामीण समुदाय की समान रूप से भागीदारी होती है। यह आयोजन दिखाता है कि किस तरह परंपरा और आधुनिकता एक साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकते हैं।

एक सांस्कृतिक धरोहर जिसे संजोने की जिम्मेदारी हम सबकी हैः आज जब दुनिया डिजिटल हो रही है, ऐसे में बस्तर दशहरा जैसी परंपराएं हमें हमारी जड़ों की याद दिलाती हैं। यह पर्व सिर्फ देखने का नहीं, अनुभव करने का है — एक ऐसा अनुभव जो हमें हमारी संस्कृति, हमारी आस्था और हमारी परंपरा से गहराई से जोड़ता है।

बस्तर दशहरा — जहां देवी की आराधना, आदिवासी परंपराएं और लोकसंस्कृति मिलकर रचते हैं आस्था का महापर्व!

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)